ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBIL04292
RNI REG. NO. UPBIL/2014/66218 **PP. NO.- 387-389**
ISSN NO.-2347-2944 (Print)
e-ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-13, No.-II, Issues-17, YEAR- Sept. -2020

मालदीव में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता

मनीषा सिंह
असिस्टेंट प्रोफेसर, शिवदुलारी देवी दलडपट शाही महिला महाविद्यालय, रामकोला–कुशीनगर (उ0प्र0) भारत।

Received- 07.08.2020, Revised- 11.08.2020, Accepted - 14.08.2020 E-mail: - indushekhar25@gmail.com

सारांश : 'मालदीव या मालदीव द्वीप समूह, आधिकारिक तौर पर मालदीव गणराज्य, हिन्द महासागर में स्थित एक द्वीप देश है; जो मिनिकॉय आइलैण्ड और चागोस अर्किपेलेगो के बीच 26 प्रवाल द्वीपों की एक दोहरी चेन, जिसका फैलाव भारत के लक्षद्वीप टापू की उत्तर दक्षिण दिशा में है से बना है। यह लक्षद्वीप सागर में स्थित है, श्रीलंका की दक्षिण–पश्चिमी दिशा से करीब सात सौ किमी. पर। मालदीव के प्रवाल द्वीप लगभग 90,000 वर्ग किमी. में फैला क्षेत्र सम्मिलित करते हैं, जो इसे दुनिया के सबसे पृथक देशों में से एक बनाता है। इसमें 1,192 टापू हैं, जिसमें 200 पर बस्ती है। मालदीव गणराज्य की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है माले, जिसकी आबादी 1,03,693 (2016) है। यह काफू प्रवाल द्वीप में उत्तर माले प्रवाल द्वीप के दक्षिणी किनारे पर स्थित है। पारंपरिक रूप से यह राजा का द्वीप है जहाँ से प्राचीन मालदीव राजकीय राजवंश शासन करते थे और जहाँ उनका महल स्थित है।

कुंजीभूत शब्द– द्वीप समूह, आधिकारिक, गणराज्य, दोहरी चेन, जमीनी स्तर, समानार्थी, महन्दीप, मल्लिवदियन।

मालदीव जनसंख्या और क्षेत्र, दोनों ही प्रकार से एशिया का सबसे छोटा देश है। समुद्र तल से ऊपर एक औसत 1.5 मी. (4.9 फुट) जमीनी स्तर के साथ यह ग्रह का सबसे लघुतम देश है। यह दुनिया का सबसे लघुतम उच्चतम बिन्दु वाला देश है।

'मालदीव' नाम, माले चिवेही राजे (माले के प्राधिकरण के अन्तर्गत) द्वीप राज्य, जो मालदीव का स्थानीय नाम है, से उत्पन्न हुआ होगा, द्वीप राष्ट्र अपनी राजधानी 'माले' के साथ समानार्थी था और कभी–कभी महन्दीप कहा जाता था और लोगों को मलिल्दवियन 'धिवेही' कहा जाता था। शब्द धीवा/दीब (प्राचीन थिवेही, संस्कृत के द्वीप शब्द का अपभ्रंश का मतलब है, 'टापू' और धीवस (धिवेही) मतलब द्वीप–वासी (यॉनि माल्दिवियन), उपनिवेशीय युग के दौरान डच ने अपने प्रलेखन में इस देश को मल्दिविस्चे इलन्टेन नाम से संबोधित किया, जबकि 'मालदीव आइलैण्ड' इसका ब्रिटिश द्वारा प्रयुक्त किया जाने वाला आंग्लकरण है, जो बाद में मालदीव लिखा जाने लगा। श्रीलंका का प्राचीन इतिहास, महावंश पाली में महिलादिवा (महिलाओं का द्वीप) नामक एक द्वीप को संदर्भित करता है।

मालदीव में लगभग 190 मुंगिया द्वीप शामिल हैं जो उत्तर–दक्षिण दिशा के बराबर 26 प्रवाल द्वीपों की दोहरी चेनन में संगठित हैं। यह लगभग 90,000 वर्ग किमी. में फैला है जो इसे दुनिया के सबसे पृथक देशों में से एक बनाता है। प्रवाल द्वीप गतिशील मूंगा रीफ और रेत की टिकियों से बना है। यह एक 960 किमी. लम्बे पनडुब्बी कटक के ऊपर स्थित है जो अकस्मात् भारतीय महासागर की गहराई में से उत्थान करता है और उत्तर से दक्षिण की ओर चलता है। प्रशासकीय प्रयोजनों के लिए मालदीव सरकार ने इन प्रवाल द्वीपों को इक्कीस प्रशासकीय विभागों में संगठित किया है।

मालदीव का राजनीतिक इतिहास एवं महिला राजनीतिक सहभागिता:– मालदीव का इतिहास मौखिक, भाषाई और सांस्कृतिक परंपरा और रिवाज इस बात की पुष्टि करते हैं कि यहाँ पहले बसने वाले लोग द्रविड़ थे। यह संगम अवधि में केरल से यहाँ आए थे। यह शायद दक्षिण पश्चिम तट के मछुआरे थे जो अब भारतीय उपमहाद्वीप का दक्षिण और श्रीलंका का पश्चिमी तट है। ऐसा एक समुदाय गिरावाऊ लोगों का है, जो प्राचीन तमिलों के वंशज हैं। बौद्ध धर्म सम्राट अशोक के शासन के समय मालदीव में आया और 12 वीं शताब्दी ई.पू. तक मालदीव के लोगों का प्रमुख धर्म बना रहा। 1953 में गणतन्त्र बनाने का एक संक्षिप्त निष्फल प्रयास किया गया लेकिन सल्तनत फिर से लगा दिया गया। 1959 में नासिर के केन्द्रवाद पर आपत्ति जाहिर करते हुए तीन दक्षिणी प्रवाल द्वीपों के निवासियों ने सरकार के खिलाफ विरोध किया। उन्होंने संयुक्त सुवादिये गणराज्य हियादहू को राजधानी के रूप में का गठन किया और अब्दुला अफीफ को राष्ट्रपति चुना। हालांकि 1153 से 1953 तक स्वतंत्र इस्लामी सल्तनत के रूप में इस पर शासन हुआ है, मगर मालदीव 1887 से 25 जुलाई 1965 तया एक ब्रिटिश संरक्षण रहा।

मालदीव को पूरी राजनीतिक स्वतंत्रता देने का समझौता महामहिम सुल्तान की और इब्राहिम नासिर रंनाबंदेय्री किलेगेंफा, प्रधानमंत्री और महारानी साहिबा की और से सर माइकल वार्कर ब्रिटिश एलची मालदीव के अमिनिहित ने

हस्तारित किया। यह समारोह 26 जुलाई 1965 को कोलंबो में ब्रिटिश उच्चायुक्त के निवास पर आयोजित किया गया। 1965 में ब्रिटेन से आजादी के बाद, सल्तनत, राजा मुहम्मद फरीद दीदी के तहत अगले तीन साल तक चलती रही।[11] नवम्बर 1968 को राजशाही समाप्त कर दी गई और इब्राहिम नासिर के राष्ट्रपति पद के तहत एक गणतंत्र से बदल दी गयी। हालांकि यह एक प्रशासकीय बदलाव था। इससे सरकार के ढाँचे में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं आया। सत्तर के दशक में राष्ट्रपति नासिर के गुट और अन्य लोकप्रिय राजनीतिक व्यक्तियों के बीच राजनीतिक लड़ाई की वजह से 1975 में निर्वाचित प्रधानमंत्री अहमद जाकी की गिरतारी और एक दूरवर्ती प्रवाल द्वीप पर निर्वासित हो गया। 1978 में नासिर सिंगापुर भाग गये। मागून अब्दुल गयूम ने 1978 में अपनी 30 वर्ष लम्बी राष्ट्रपति की भूमिका का प्रारम्भ किया। विरोध के बिना लगातार 6 चुनाव जीत कर गयूम की गरीब द्वीपों का विकास करने की प्राथमिकता को ध्यान में रखते, उसके चुनाव की अवधि राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास के संचालन के रूप में देखी गयी। पर्यटन का अलंकरण हुआ और विदेशी संपर्क बढ़ा जिससे द्वीपों में विकास को प्रोत्साहन मिला। हालांकि कुछ आलोचकों के अनुसार गयूम एक तानाशाह था, जिसने स्वतन्त्रता सीमित और राजनीतिक पक्षपात द्वारा मतभेद पर काबू पाया। 1988 के घातक प्रयास से च्सनजमतमिल आतंकवाद समूह के करीब 200 लोग शामिल हुए, जिन्होंने हवाई पर कब्जा कर लिया और गयूम के एक घर से दूसरे घर भगाने का कारण बना। जब तक 1600 भारतीय दलों ने वायुवाहित हस्तक्षेप करके माले में व्यवस्था बहाल की। 2004 और 2005 में हिंसक विरोध प्रदर्शन के चलते राष्ट्रपति गयूम ने राजनीतिक दलों को वैध बनाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की। 9 अक्टूबर 2008 को बहुदलीय, बहु उम्मीदवार चुनाव आयोजित किये गये, जिसमें 5 उम्मीदवार पदधारी गयूम के खिलाफ थे। अक्टूबर 28 को गयूम और मोहम्मद नशीद के बीच राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में एक चुनाव हुआ। एक पूर्व पत्रकार और राजनीतिक कैदी जो गयूम शासन का कट्टर आलोचक था, उसके प्रभाव से नशीद और उसके उपाध्यक्ष उम्मीदवार डा. वहीद को 54: बहुमत हासिल हुआ। 11 नवम्बर 2008 को अपने उत्तराधिकारी को सत्ता सौंपने से पहले एक भाषण से गयूम ने कहा कि "मैं अपने ऐसे किसी भी कार्य के लिए अत्यन्त खेद प्रकट करता हूँ, जो किसी भी मालदीव वासी के लिए अनुचित उपचार, कठिनाई या अन्याय का कारण बना। उस समय गयूम किसी भी एशियाई देश के सबसे लम्बे समय तक रहने वाले नेता थे। मोहम्मद वशीद पहले राष्ट्रपति बने जिन्हें मालदीव में एक बहुदलीय, लोकतन्त्र द्वारा निर्वाचित किया गया और डा. वहीद मालदीव के पहले उपराष्ट्रपति चुने गये। इनकी चुनावी जीत से राष्ट्रपति गयूम का 30 साल का शासन समाप्त हो गया।

मालदीव में राजनीति एक अध्यक्षीय गणराज्य ढाँचे के तहत होती है, जहाँ राष्ट्रपति सरकार का मुखिया होता है। राष्ट्रपति कार्यकारी शाखा का मुखिया होता है और कैबिनेट की नियुक्ति करता है जिसे संसद मंजूरी देती है। राष्ट्रपति मजलिस (संसद) के गुप्त मतदान द्वारा पाँच वर्ष के कार्यकाल के लिए नामांकित किया जाता है जिसकी पुष्टि राष्ट्र जनमत–संग्रह द्वारा करता है। संविधान गैर–मुस्लिम वोटों को मना करता है। मालदीव की युनिकेमल मजलिस में 50 सदस्य होते हैं, जो 5 साल के कार्यकाल तक सेवा करते हैं, प्रत्येक प्रवाल द्वीप में 2 सदस्य सीधे चुने जाते हैं, 3 राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं।

देश के इतिहास में जुलाई 2005 में पहली बार राजनीतिक दलों को पेश किया गया। संसद के पिछले चुनाव के 6 महीने बाद संसद के 36 सदस्यों ने धिवेही शयाथुन्गा पार्टी में शामिल हुए और उन्होंने मामून अब्दुल गयूम को अपना राष्ट्रपति नियुक्त किया। संसद के 12 सदस्यों ने मालदीव डेमोक्रेटिक के रूप में विपक्ष का गठन किया और दो सदस्य स्वतन्त्र रहे। मार्च 2006 में राष्ट्रपति गयूम ने सुधार एजेंडा के लिए एक विस्तृत खाता प्रकाशित किया जिसमें नया संविधान लिखने के लिए और कानूनी ढाँचे का आधुनिकीकरण करने के लिए समय प्रदान किया गया।

रोड मैप इस सभा को अपना काम समाप्त करने के लिए और अक्टूबर 2008 तक देश में पहले बहु–दलीय चुनाव का मार्ग प्रशस्त किया। 31 मई 2007 की समय सीमा प्रदान किया गया। चुनाव इतना नजदीक था कि चुनाव का दूसरा भाग ट्रिगर हो गया जिसमें चुनौती मोहम्मद नशीद और मोहम्मद वहीद हसन जीत गए। राष्ट्रपति नशीद और उपाध्यक्ष डॉ. वहीद ने 11 नवम्बर 2008 को कार्यालय में शपथ ली।

1968 में गणराज्य के रूप में संविधान लागू हुआ और 1970, 1972, 1975 में इसका संशोधन किया गया। यह निरसित किया गया और 27 नवम्बर 1997 में राष्ट्रपति गयूम की सहमति से दूसरे संविधान के साथ बदल गया। यह संविधान 1 जनवरी 1998 को लागू हुआ। सभी ने कहा राष्ट्रपति राज्य का प्रमुख और सशस्त्र सेनाओं एवं मालदीव की पुलिस का प्रधान सेनाध्यक्ष है। विरोध से तीव्र दबाव के तहत 7 अगस्त 2008 1968 में को एक नये संविधान का

अनुमोदन हुआ।

ऊपर दिये गये मालदीव के राजनीतिक इतिहास से यह स्पष्ट होता है कि मालदीव को लोकतन्त्र की स्थापना के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। मालदीव 11 नवम्बर 1968 ' को विश्व पटल पर गणतन्त्र के रूप में अवतरित हुआ। लेकिन महिलाओं को पुरुषों के समान ही 1932 में मताधिकार का अधिकार मिला और 1932 के चुनाव में खड़े होने का भी अवसर प्राप्त हुआ। 1979 के संसदीय चुनाव में पहली महिला चुनी गई। मालदीव के संविधान में महिलाओं को पुरुषों के समान ही समानता का अधिकार प्राप्त है। महिलाओं पर होने वाले अत्याचार (हिंसा) के रोकथाम के लिए सरकार की तरफ से जनवरी 2008 में कानून का प्रावधान किया गया है। 2016 की मानव विकास रिपोर्ट में188 देशों में मालदीव 105 वें नम्बर पर है। मालदीव की जनता का जीवन प्रत्याशा देखें तो 72.7 वर्ष महिला की 70.7 वर्ष पुरुष की है। जो विकासशील देशों से 6 गुनी ज्यादा है।

यह बिल्कुल सही है कि मालदीव के संविधान में महिला तथा पुरुषों के बीच लिंग के आधार पर कोई भेद नहीं किया ओर दोनों को समान रूप से अधिकार दिए गए हैं। संविधान द्वारा लिंग–भेद की समस्त परंपराओं को दरकिनार करते हुए महिलाओं को भी समान अधिकार और समान सहभागिता के अवसर दिए गए थे, लेकिन महिलाएं अपने अधिकारों का प्रयोग धरातल पर नहीं कर पा रही हैं तो इसका कारण पुरुषों की मानसिकता है। आज भी पुरुष–प्रधान समाज, महिला को सिर्फ भोग्या बनाए रखने की अपने सदियों पुरानी मानसिकता से उबर नहीं पाया है। आवश्यकता है पुरुषों की रूढ़िवादी सोच में मौलिक बदलाव लाने की, पुरुष प्रधान राजनीतिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने की और महिलाओं को हीन भावना से उबार कर राजनीतिक रूप से जाग्रत करने की। यह जरूरी है कि महिलाओं को राजनीतिक रूप से जागरुक किया जाय ताकि वे सच्चे अर्थों में राजनैतिक भागीदारी पा सकें, स्वतंत्र राजनीतिक निर्णय ले सकें और ' आधी दुनिया के लिए कुछ सार्थक काम कर सकें।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. http://hi.wikipedia.org/wiki/% Eo% A4% AE% Eo% A4% BE% E% A4%A6% Eo%A5% 80%E0A4%, Assessed on 12.07.2016
2. File : IC:\windows\desktop\ds\history % 20th 20% of % 20th % 20 Maldives %20-%20 wikipedia, Assessed on 04.02.2016
3. Urmila Rhadmela Dutt Luthla, 'Maldives winds of change in an Atall State', South Asia Publishers Pvt. Ltd. New Delhi, 1985
4. http://hi.wikipedia.org/wiki/% Eo%A4% AE% E%A4% BE% E%A4% A6% Eo% A5% 80% Eo A4%, Accessed on 12.07.2016
5. File ://C:\windows\desktop\ds\GWS%20-20 Feminist % 20 Knowledge %20% 20 Revie, Asscessed on 04.02.06
6. Urmila Rhadmela, Dutt Luthra, 'Maldives Winds of Change in an Atoll State', South Asia Publishers, New Delhi 1985, p. 28-38
7. 3rd International conference 'Women and politics in Asia', Islamabad, Pakistan, 24-25 Nov., 2005, p-6
8. http.www.IPU/og/wmn-o/classif-arc.htm, accessed 28.06.2016
9. http.www.IPU/og/wmn-o/classif-arc.htm, accessed 28.06.2016
10. http.www.IPU/og/wmn-o/classif-arc.htm, accessed 28.06.2016
11. Reports of the Sixth S.Asia Regional Ministeral Conference Commenrating Being', New Delhi, India 17-19, Jan 2008, p. 25
12. http.www.IPU/og/wmn-o/classif-arc.htm, accessed 28.06.2016
13. 3rd International conference, 'Women and Politics in Asia, Islamabad- Pakistan', 24-25 Nov., 2005, p-6

*****